जनजागरण रैली में शिविरार्थी

जनजागरण रैली में शिविरार्थी

जनजागरण रैली में शिविरार्थी

06 फरवरी 2016 को शिविर को छठें दिन प्रातः व्यायाम और श्रमदान के साथ प्रारम्भ हुआ। अभिगृहित गाँव छोटी रेतवहिया से महाविद्यालय तक के मार्ग की मरम्मत एंव साफ सफाई की गई तथा गाँव के अन्दर स्वच्छता अभियान के माध्यम से गाँव के युवाओं को आगे आकर सुन्दर गाँव के निर्माण में योगदान करने के लिए प्रेरित किया गया।

बौद्धिक सत्र के अन्तर्गत दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर में बी.एड. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राज शरण शाही जी ने शिक्षा, धर्म और स्वामी विवेकानन्द का चिंतन विषय पर अपने शोधपूर्ण व्याख्यान के माध्यम से स्वयं सेवकों में राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र निर्माण की दृष्टि विकसित कराने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द के चिंतन में भारत की आध्यात्मिक प्रतिष्ठा की अत्यधिक ऊचाइयाँ प्राप्त हुई। यदि भारत की आध्यात्मिक शक्ति और पश्चिम के भौतिक शक्ति का समन्वय स्थापित करके ही विश्व कल्याण सम्भव है। भारत की ओर आज दुनिया फिर देख रही है। भारतीय दर्शन में जीवन के असीम गुढ़ रहस्य छिपे हैं। ज्ञान और विवेक के आधार पर उन निर्देशों के पालन से विश्व कल्याण के मार्ग को प्राप्त किया जा सकता है। स्वामी जी ने भारतीय धर्म दर्शन का जो चित्र अत्यन्त ही प्रभावशाली ढंग से विश्व के सामने प्रस्तुत करते हुए उसको पुनर्स्थापित करने वाले सबसे बड़े युवा संन्यासी हैं। भारतीय संस्कृति की जड़े बहुतही गहरी और मजबूत है। इसी कारण इतने विदेशी आक्रमणों के बावजूद आज भी भारतीय संस्कृति अक्षुण्ण बनी हुई है। युवाओं को अपनी संस्कृति, परम्परा और धर्म के गौरवशाली स्वरूप से अवश्य ही परिचित होना चाहिए। दुर्भाग्य से हमारी शिक्षा व्यवस्था में इनको समुचित स्थान नहीं मिला सका है। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक आशीष राय तथा आभार रंजना निषाद ने किया। सायं सत्र में स्वयं सेवकों ने कराटे के विभिन्न अभ्यासों का प्रशिक्षण लिया।

समाचार पत्रों में...

आज

गोरखपुर, रविवार, ७ फरवरी २०१६

स्वयं सेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

गोरखपुर,६ फरवरी। महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, गोरखपुरके राष्ट्रीय सेवा योजनाकी इकाई एक एवं दो के स्वय सेवकों का सप्तदिवसीय विशेष शिविर ३ फरवरी से कालेजमें चल रहा है। शिविरके चौथे दिन आज दोनों इकाईके स्वयं सेवकों ने प्रेमचन्द पार्क स्थित शिक्षा भवनके परिसरकी खुरपी,कुदाल,फावड़ा व हंसियाकी सहायतासे परिसर स्थित झाड़ीकी कटाई किया एवं घासकी छिलाई किया,ततपश्चात झाड़से उसकी सफाई करके साफ सुथरा कर दिया।

सायकालीन सत्रमें स्वयं सेवको ने पर्यावरण प्रदूषण समस्या एवं निदान विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिताका आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनो इकाईके कार्यक्रम अधिकारी ओम प्रकाश त्रिपाठी,एवं आलोक प्रताप सिंह उपस्थित रहे। उप शिक्षा निदेशक गोरखपुरके राष्ट्रीय सेवा योजनाके प्रभारी लिपिक नरेन्द्र सिंह ने स्वयं सेवको को कार्यकी सराहना की। इस स्वच्छता अभियानके लिए

प्रस्थान करते समय स्वयं सेवको को सम्बोधित करते हुए विद्यालयके प्रधानाचार्य राम जन्म सिंह ने स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला,एवं उन्हे स्वयं स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित किया।

रविवार, 7 फरवरी , 2016

स्पष्ट आवाज़

स्वामी विवेकानन्द पर हुआ व्याख्यान

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआसूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सप्त दिवसीय विशेष शिविर में शिक्षा धर्म और स्वामी विवेकानन्द विषय पर व्याख्यान देते हुए दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के बी.एड. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के गोरक्षप्रान्त के अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक क्षमता और पश्चिम की भौतिक शक्ति का समन्वय ही विश्व का मार्गदर्शन करने में समर्थ है। भारतीय धर्म चिन्तन की गहराई को ओर विश्व का ध्यान स्वामी विवेकानन्द ने आकृष्ट किया था और अपने प्रदीप्त दृष्टि से जो प्रस्तुतीकरण उन्होंने की उसका आज भी प्रभाव वैश्विक स्तर पर देखा जा रहा है। आज पुनः दुनिया भारत की ओर देखने लगी है। मध्य युग में शैक्षिक, सामाजिक और धर्म के क्षेत्र में गिरावट के लाख प्रयास के बावजूद भारत अपनी अक्षुण्ण संस्कृति के बल पर ही पुनः-पुनः खड़ा होकर चुनौतियों का सामना करता रहा है। भारतीय परम्परा और संस्कृति की जड़े बहुत गहरी हैं। सनातन काल में भौतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक दृष्टि से शायद ही कितना उन्नतशील रहा हो जितना कि भारत। इतने आक्रमणों और थपेड़ों को झेलते हुए भी भारतीय धर्म संस्कृति निरन्तर दिव्यमान होती है। इन सबके पीछे भारत के महापुरूष और मनीषियों का त्याग, बलिदान और समर्पण रहा है। उन्हीं में से एक स्वामी विवेकानन्द ने ऐसे समय में भारत को आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व के सामने प्रस्तुत किया, जब दुनिया भारत के प्रति हीन दृष्टि रखती थी। भारतीय धर्म, चिन्तन का विराट स्वरूप देखकर दुनिया अचम्भित रह गयी। स्वामी विवेकानन्द ने न केवल धर्म बल्कि शिक्षा की व्यापकता पर विशेष बल देते थे। उन्होंने विशेष रूप से जनशिक्षा और स्त्री शिक्षा का महत्ता को स्वीकार करते हुए कहा कि जब तक भारत के प्रत्येक पढ़े-लिखे को कृतघ्न समझता हूँ जब तक कि भारत में कोई भूखा और नंगा हो। उनके सम्पूर्ण धर्म दर्शन में सशक्त राष्ट्र और मानव सेवा कूट-कूट कर भरा पड़ा है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और सबसे बड़ा पुनीत कार्य है।

समाचार पत्रों में...

पायनियर
लखनऊ, रविवार, 7 फरवरी, 2016

शिक्षा, धर्म और विवेकानंद पर व्याख्यान

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सप्त दिवसीय विशेष शिविर में शिक्षा धर्म और स्वामी विवेकानन्द विषय पर व्याख्यान देते हुए दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के बी.एड. विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के गोरक्षप्रान्त के अध्यक्ष डॉ. राजशरण शाही ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक क्षमता और पश्चिम की भौतिक शक्ति का समन्वय ही विश्व का मार्गदर्शन करने में समर्थ है। भारतीय धर्म चिन्तन की गहराई के ओर विश्व का ध्यान स्वामी विवेकानन्द ने आकृष्ट किया था और अपने प्रदीप्त दृष्टि से जो प्रस्तुतीकरण उन्होंने की उसका आज भी प्रभाव वैश्विक स्तर पर देखा जा रहा है। आज पुन: दुनिया भारत की ओर देखने लगी है। मध्य युग में शैक्षिक, सामाजिक और धर्म के क्षेत्र में

गिरावट के लाख प्रयास के बावजूद भारत अपनी अक्षुण्ण संस्कृति के बल पर ही पुन:-पुन: खड़ा होकर चुनौतियों का सामना करता रहा है। भारतीय परम्परा और संस्कृति की जड़े बहुत गहरी हैं। सनातन काल में भौतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक दृष्टि से शायद ही कितना उन्नतशील रहा हो जितना कि भारत। इतने आक्रमणों और थपेड़ों को झेलते हुए भी भारतीय धर्म संस्कृति निरन्तर दिव्यमान होती है। इन सबके पीछे भारत के महापुरूष और मनीषियों का त्याग, बलिदान और समर्पण रहा है। उन्हीं में से एक स्वामी विवेकानन्द ने ऐसे समय में भारत को आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व के सामने प्रस्तुत किया, जब दुनिया भारत के प्रति हीन दृष्टि रखती थी। भारतीय धर्म, चिन्तन का विराट स्वरूप देखकर दुनिया अचम्भित रह गयी। स्वामी विवेकानन्द ने न केवल धर्म बल्कि शिक्षा की व्यापकता पर विशेष बल देते थे। उन्होंने विशेष रूप से जनशिक्षा और स्त्री शिक्षा का महत्ता को स्वीकार करते हुए कहा कि जब तक भारत के प्रत्येक पढ़े-लिखे को कृतघ्न समझता हूँ जब तक कि भारत में कोई भूखा और नंगा हो। उनके सम्पूर्ण धर्म दर्शन में सशक्त राष्ट्र और मानव सेवा कूट-कूट कर भरा पड़ा है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और सबसे बड़ा पुनीत कार्य है। कार्यक्रम डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह, डॉ. यशवन्त कुमार राव, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने भी अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्वयं सेविका रंजना अनु और अनिता, पूजा, पूजा निषाद ने सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • रविवार • 07 फरवरी 2016

फिर भारत की ओर देख रही दुनिया

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

शिविर

- एमपी पीजी कॉलेज में लगाया गया एनएसएस शिविर
- डॉ.राजशरण शाही ने व्यक्त किए विचार

भारत की आध्यात्मिक क्षमता और पश्चिम की भौतिक शक्ति का समन्वय ही विश्व का मार्गदर्शन करने में समर्थ है। भारतीय धर्म चिंतन की गहराई की ओर विश्व का ध्यान स्वामी विवेकानंद ने आकृष्ट किया था। आज फिर दुनिया भारत की ओर देखने लगी है।

ये बातें शनिवार को डीवीएनपीजी के बीएड विभाग के वरिष्ठ शिक्षक और अभाविप के गोरक्षप्रांत अध्यक्ष डॉ.राजशरण शाही ने एमपीपीजी के एनएसएस शिविर में कहीं।

उन्होंने कहा कि मध्य युग में शैक्षिक, सामाजिक और धर्म के क्षेत्र में गिरावट के लाख प्रयासों के बावजूद भारत अपनी अक्षुण्ण संस्कृति के बल पर ही बार-बार खड़ा होकर चुनौतियों का सामना करता रहा। भारतीय परम्परा और संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी हैं।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.मृत्युंजय कुमार सिंह, डॉ.यशवन्त कुमार राव, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने विचार व्यक्त किए।

समाचार पत्रों में...

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर, रविवार, 7 फरवरी 2016

भारतीय परम्परा और संस्कृति की जड़ें गहरी : डा. शाही

❑ एम.पी.पी.जी. में रासेयो शिविर

❑ अक्षुण्ण संस्कृति के बल पर चुनौतियों का सामना करता रहा है भारत

गोरखपुर। भारत की अध्यात्मिक क्षमता और पश्चिम की भौतिक शक्ति का समन्वयन ही विश्व का मार्गदर्शन करने में समर्थ है। मध्य युग में शैक्षिक सामाजिकम और धर्म के क्षेत्र में गिरावट के लाख प्रयास के बावजूद भारत अपनी अक्षुण्ण संस्कृति के बल पर पुनः खड़ा हो चुनौतियों का सामना करता रहा है।

उक्त बातें बतौर मुख्य अतिथि डा. राजशरण शाही एवीबीपी प्रान्त अध्यक्ष ने एमपीपीजी कालेज में आयोजित रासेयो शिविर में कही।

उन्होंने कहा कि इतने आक्रमणों और थपेड़ों को झेलते हुए भी भारतीय धर्म संस्कृति निरन्तर दिव्यमान होती है। इन सबके पीछे भारत के महापुरुष और मनीषियों का त्याग, बलिदान और समर्पण रहा है। उन्हीं में से एक स्वामी विवेकानन्द ने ऐसे समय में भारत को आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व के सामने प्रस्तुत किया, जब दुनिया भारत के प्रति हीन दृष्टि रखती थी। भारतीय धर्म,चिन्तन का विराट स्वरूप देखकर दुनिया उचम्भित रह गयी।उनके सम्पूर्ण धर्मदर्शन में सशक्त राष्ट्र और मानव सेवा कूट-कूट कर भरा पड़ा है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और सबसे बड़ा पुनीत कार्य है।

कार्यक्रम डा. मृत्युंजय कुमार सिंह, डा. यशवन्त कुमार राव, डा. अविनाश प्रताप सिंह ने भी अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्वयं सेविका रंजना अनु और अनिता, पूजा, पूजा निषाद ने सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

गोरखपुर,7 फरवरी, 2016

भारतीय परम्परा और संस्कृति की जड़ें गहरी : डा. शाही

❑ एम.पी.पी.जी. में रासेयो शिविर

गोरखपुर। भारत की अध्यात्मिक क्षमता और पश्चिम की भौतिक शक्ति का समन्वयन ही विश्व का मार्गदर्शन करने में समर्थ है। मध्य युग में शैक्षिक सामाजिकम और धर्म के क्षेत्र में गिरावट के लाख प्रयास के बावजूद भारत अपनी अक्षुण्ण संस्कृति के बल पर पुनः खड़ा हो चुनौतियों का सामना करता रहा है।

उक्त बातें बतौर मुख्य अतिथि डा. राजशरण शाही एवीबीपी प्रान्त अध्यक्ष ने एमपीपीजी कालेज में आयोजित रासेयो शिविर में कही।

उन्होंने कहा कि इतने आक्रमणों और थपेड़ों को झेलते हुए भी भारतीय धर्म संस्कृति निरन्तर दिव्यमान होती है। इन सबके पीछे भारत के महापुरुष और मनीषियों का त्याग, बलिदान और समर्पण रहा है। उन्हीं में से एक स्वामी विवेकानन्द ने ऐसे समय में भारत को आध्यात्मिक दृष्टि से विश्व के सामने प्रस्तुत किया, जब दुनिया भारत के प्रति हीन दृष्टि रखती थी। भारतीय धर्म,चिन्तन का विराट स्वरूप देखकर दुनिया उचम्भित रह गयी।उनके सम्पूर्ण धर्मदर्शन में सशक्त राष्ट्र और मानव सेवा कूट-कूट कर भरा पड़ा है। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और सबसे बड़ा पुनीत कार्य है।

कार्यक्रम डा. मृत्युंजय कुमार सिंह, डा. यशवन्त कुमार राव, डा. अविनाश प्रताप सिंह ने भी अपना विचार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्वयं सेविका रंजना अनु और अनिता, पूजा, पूजा निषाद ने सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

व्याख्यान कार्यक्रम में डॉ. राजशरण शाही एवं अन्य

व्याख्यान कार्यक्रम में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करतीं स्वयं सेविकाएं

व्याख्यान कार्यक्रम में स्वागत गीत प्रस्तुत करतीं स्वयं सेविकाएं

अभिग्रहित गांव में नालियों की सफाई एवं जल निकासी की व्यवस्था करते स्वयं सेवक

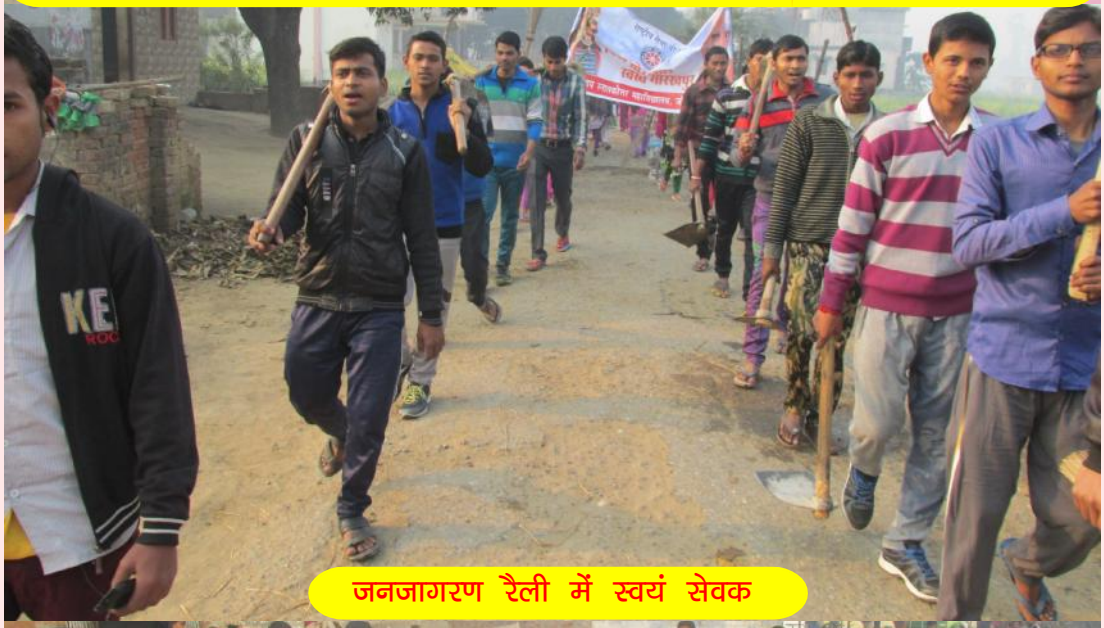

जनजागरण रैली में स्वयं सेवक

अभिग्रहित गांव में श्रमदान करतीं स्वयं सेविकाएं

सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

07 फरवरी 2016 को सात दिवसीय विशेष का समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अजय कुमार शुक्ल ने कहा कि शिविर के माध्यम से स्वयं सेवकों और स्वयं सेविकाओं का सोचने और कार्य करने की प्रवृत्ति में बड़ा परिवर्तन होना स्वाभाविक है। सकारात्मक सोच और राष्ट्र समाज के प्रति समर्पित भाव पैदा करना ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य लक्ष्य है। शिविर इस हेतु महत्वपूर्ण योगदान करता है। वह स्वयं सेवक और और स्वयं सेविकाओं ने श्रद्धा का भाव पैदा करता है।

समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के मुख्य नियन्ता एवं पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि एक बार राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ दो वर्ष कार्यकाल पूरा करने के बाद व्यक्ति जीवनपर्यन्त समाज सेवा और सुविधाविहिन लोगों का सहयोग करने के लिए तत्पर रहता है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा की दृष्टि विकसित करने के साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सांस्कृतिक क्षमता को भी विकसित करने का प्रभावी मंच है। समापन अवसर पर स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं के सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को देखकर उन्होंने कहा कि सीमित संसाधनों में भी दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ अच्छा परिणाम दिया जा सकता है।

कार्यक्रम को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में विश्वास पैदा करने तथा राष्ट्र और समाज के प्रति संवेदनशील नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका है। यह प्रकल्प अभाव में भी आनन्दपूर्वक जीवन जीने के प्रेरणा तो देता ही है साथ में औरों का सहयोग करने का भाव भी पैदा करता है। कुल मिलाकर योग और उत्तरदायित्व से ओत–प्रोत नागरिक

बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष रूप से उल्लेखनीय है। कार्यक्रम को प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध कुमार मिश्र, डॉ. यशवन्त कुमार राव तथा डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने सम्बोधित किया।

समापन समारोह का प्रारम्भ सरस्वती वन्दना के साथ हुआ। कार्यक्रम में सामाजिक कुरूतियों, स्वच्छता के प्रति अगम्भीरता, महिला शिक्षा, नशाखोरी, दहेज कुप्रथा इत्यादि विकृतियों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कई नाट्य मंचन एवं गीत प्रस्तुत किया गया।

समाचार पत्रों में...

आज

गोरखपुर, सोमवार, ८ फरवरी २०१६

रासेयो से युवाओं का सर्वांगीण विकास-डा.शुक्ला

गोरखपुर,७ फरवरी। व्यक्तित्व निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना अहम है। युवाओं के भविष्य का निर्धारण बहुत सीमा तक उनके प्रशिक्षण पर निर्भर है। आज के ज्ञान कौशल के युग में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। युवाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना न केवल व्यक्ति का सर्वांगीण विकास में सहयोगी है बल्कि राष्ट्र और समाज को आगे बढ़ाने में महती भूमिका का निर्वहन करता है। युवा शक्ति ही देश के भविष्य का आधार होती है। युवाओं की इस शक्ति को राष्ट्र की सेवा और विकास की दिशा में लगाने तथा संवेदनशील नागरिक बनाने में इस प्रकार के आवासीय शिविर उल्लेखनीय साबित होंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से श्रम जैसे महत्वपूर्ण विषय के प्रति निष्ठा और श्रद्धा का भाव पैदा किया जा सकता है। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के

के आचार्य डॉ.शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा सप्त दिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ.अजय शुक्ल ने कही। समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग कि राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चलाया जाने वाला एक बहुउद्देश्यीय कार्यक्रम है जिसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों एवं मलिन बस्तियों का चयन कर कार्यक्रम के द्वारा राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थी अपना योगदान देता है। भारत गांवों का देश है और आज भी गांव मूलभूत सुविधाओं से जहां एक ओर वंचित हैं वहीं दूसरी ओर शैक्षिक और सामाजिक अजागरूकता उसमें और संकट खड़ा कर रहा है। प्राचीन इतिहास के प्रभारी सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य ही ''नाट मी बट यू'' है। अपने लिए तो सभी जीते हैं, इंसान वही है जो दूसरों के लिए जीये। स्व उत्थान के साथ-साथ व्यक्ति को सर्वोत्थान की भावना भी अपने अन्दर जागृत करनी चाहिए। इसी से एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण समाज की स्थापना सम्भव है। संचालन डॉ.अविनाश प्रताप सिंह एवं आभार डॉ.यशवंत कुमार राव ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर सुश्री दीप्ती गुप्ता, श्री आशीष राय, डॉ.मृत्युंजय कुमार सिंह, निशा वर्मा, प्रियंका गुप्ता, सुशील सिंह, श्वेता सिंह, सुचित्रा, रंजन, दिनेश, ज्ञान प्रताप, फजले अख्तर, अजरूद्दीन अली सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर, सोमवार, 8 फरवरी 2016

व्यक्तित्व निर्माण में रासेयो अहम : डा. शुक्ला

❑ एमपीपीजी में चल रहे सप्तदिवसीय रासेयो शिविर का समापन

गोरखपुर। व्यक्तित्व निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना अहम है। युवाओं के भविष्य का निर्धारण बहुत सीमा तक उनके प्रशिक्षण पर निर्भर है। आज के ज्ञान कौशल के युग में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। युवाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना न केवल व्यक्ति का सर्वांगीण विकास में सहयोगी है बल्कि राष्ट्र और समाज को आगे बढ़ाने में महती भूमिका का निर्वहन करता है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, में राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा. अजय शुक्ल ने कही।

समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिग्विजय नाथ पी.जी. कालेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य डा. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चलाया जाने वाला एक बहुउद्देशीय कार्यक्रम है जिसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों एवं मलिन बस्तियों का चयन कर कार्यक्रम के द्वारा राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थी अपना योगदान देता है।

समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना हमें अपने निर्णयों में विश्वास और उस पर दृढ़ रहना सिखाता है राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य अभावमयी जीवन को प्रसन्नतापूर्वक जीना है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्राचीन इतिहास के प्रभारी सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य ही ''नाट मी बट यू'' है। अपने लिए तो सभी जीते हैं, इंसान वही है जो दूसरों के लिए जीये।

इसके पूर्व स्वयं सेवक/सेविकाओं ने प्रभावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। संचालन डा. अविनाश प्रताप सिंह एवं आभार डा. यशवंत कुमार राव ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर दीप्ती गुप्ता, आशीष राय, डा. मृत्युंजय कुमार सिंह, निशा वर्मा, प्रियंका गुप्ता, सुशील सिंह, श्वेता सिंह, सुचित्रा, रंजन, दिनेश, ज्ञान प्रताप, फजले अख्तर, अजयरुद्दीन अली सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

पायनियर
लखनऊ, सोमवार, 8 फरवरी, 2016

व्यक्तित्व निर्माण में एनएसएस अहम: अजय

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

व्यक्तित्व निर्माण में राष्ट्रीय सेवा योजना अहम है। युवाओं के भविष्य का निर्धारण बहुत सीमा तक उनके प्रशिक्षण पर निर्भर है। आज के ज्ञान कौशल के युग में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। युवाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना न केवल व्यक्ति के सर्वांगीण विकास में सहयोगी है बल्कि राष्ट्र और समाज को आगे बढ़ाने में महती भूमिका का निर्वहन करता है। एनएसएस के माध्यम से श्रम जैसे महत्वपूर्ण विषय के प्रति निष्ठा और श्रद्धा का भाव पैदा किया जा सकता है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में एनएसएस शिविर के समापन अवसर पर गोरखपुर विश्वविद्यालय के एनएसएस के समन्वयक डा. अजय शुक्ल ने कही। दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में चलाया जाने वाला एक बहुउद्देश्यीय कार्यक्रम है, जिसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों एवं मलिन बस्तियों का चयन कर कार्यक्रम के द्वारा राष्ट्र निर्माण में विद्यार्थी अपना योगदान देता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्ति में संवेदना और संस्कार स्थापित करता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना हमें अपने निर्णयों में विश्वास और उस पर दृढ़ रहना सिखाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य अभावमयी जीवन को प्रसन्नतापूर्वक जीना है। प्राचीन इतिहास के प्रभारी सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि एनएसएस का उद्देश्य ही "नाट मी बट यू" है। इसके पूर्व स्वयं सेवक/सेविकाओं ने प्रभावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं आभार डॉ. यशवंत कुमार राव ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर सुश्री दीप्ती गुप्ता, आशीष राय, डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह, निशा वर्मा, प्रियंका गुप्ता, सुशील सिंह, श्वेता सिंह, सुचित्रा, रंजन, दिनेश, ज्ञान प्रताप, फजले अख्तर, अजरूद्दीन अली सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत गोरखपुर महानगर लखनऊ, सोमवार, 8 फरवरी 2016

एनएसएस के माध्यम से होता है युवाओं के भविष्य का निर्धारण : डॉ. अजय

सप्त दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह

गोरखपुर। व्यक्तित्व निर्माण मे राष्ट्रीय सेवा योजना अहम है। युवाओं के भविष्य का निर्धारण बहुत सीमा तक उनके प्रशिक्षण पर निर्भर है। आज के ज्ञान कौशल के युग में यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। युवाओं मे राष्ट्रीय सेवा योजना न केवल व्यक्ति का सर्वांगीण विकास में सहयोगी है बल्कि राष्ट्र और समाज को आगे बढ़ाने मे महती भूमिका का निर्वहन करता है। युवा शक्ति ही देश के भविष्य का आधार होती है। युवाओ की इस शक्ति को राष्ट्र की सेवा और विकास की दिशा मे लगाने तथा संवेदनशील नागरिक बनाने मे इस प्रकार के आवासीय शिविर उल्लेखनीय साबित होंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से श्रम जैसे महत्वपूर्ण विषय के प्रति निष्ठा और श्रद्धा का भाव पैदा किया जा सकता है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ मे राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरु श्रीगोरखनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के समापन समारोह में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अजय शुक्ल ने कही। समापन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के आचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य मे चलाया जाने वाला एक बहुउद्देश्यीय कार्यक्रम है जिसके अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों एवं मलिन बस्तियों का चयन कर कार्यक्रम के द्वारा राष्ट्र निर्माण मे विद्यार्थी अपना योगदान देता है। भारत गांवों का देश है और आज भी गांव मूलभूत सुविधाओं से जहां एक ओर वंचित है वहीं दूसरी ओर शैक्षिक और सामाजिक अजागरूकता उसमे और संकट खड़ा कर रहा है। गांवों को करीब से देखने और समझने का शुभ अवसर राष्ट्रीय सेवा योजना उपलब्ध कराता है, साथ ही युवाओं मे आन्तरिक प्रतिभा को निखारने में भी राष्ट्रीय सेवा योजना का मंच महत्वपूर्ण है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा योजना व्यक्ति मे संवेदना और संस्कार स्थापित करता है।

समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना हमें अपने निर्णयों में विश्वास और उस पर दृढ़ रहना सिखाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य अभावमयी जीवन को प्रसन्नतापूर्वक जीना है। इस सात दिवसीय विशेष शिविर के माध्यम से स्वयं सेवक/सेविकाएं सामुदायिक साहचर्य के साथ ही साथ परोपकार एवं सहयोग की प्रवृत्ति को यदि अपने जीवन का अंग बना लें तो यह उनके भावी जीवन को निरन्तर पुष्पित एवं पल्लवित करता रहेगा।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्राचीन इतिहास के प्रभारी सुबोध कुमार मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य ही "नाट मी बट यू" है। अपने लिए तो सभी जीते है, इंसान वही है जो दूसरो के लिए जीये। स्व उत्थान के साथ-साथ व्यक्ति को सर्वोत्थान की भावना भी अपने अन्दर जागृत करनी चाहिए। इसके पूर्व स्वयं सेवक/सेविकाओं ने प्रभावपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं आभार डॉ. यशवंत कुमार राव ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर सुश्री दीप्ती गुप्ता, श्री आशीष राय, डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह, निशा वर्मा, प्रियंका गुप्ता, सुशील सिंह, श्वेता सिंह, सुचित्रा, रंजन, दिनेश, ज्ञान प्रताप, फजले अख्तर, अजरूद्दीन अली सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथिगण

शिविरार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. अजय कुमार शुक्ल

शिविरार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

समापन कार्यक्रम में नाट्य मंचन करते शिविरार्थी

समापन कार्यक्रम में वंदना करते शिविरार्थी

समापन कार्यक्रम में शिविरार्थी

समापन कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करतीं स्वयं सेविकाएं

शिविर का अनुभव प्रस्तुत करते स्वयं सेवक

समूहगान प्रस्तुत करते शिविरार्थी

चौथा एक दिवसीय शिविर

23 फरवरी 2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का संयुक्त चौथा एक दिवसीय शिविर अभिग्रहित गाँव छोटी रेतवहिया में सम्पन्न हुआ। शिविर में सात दिवसीय विशेष शिविर में किये गये कार्य एवं जनजागरूकता अभियान के प्रभाव की समीक्षा करते हुए। स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य नशा उन्मूलन इत्यादि के प्रति जागरूक करने का प्रयास स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा किया गया। अभिग्रहित गाँव में श्रमदान द्वारा सड़को और नालियों की सफाई करते हुए उन्हें जलजमाव से होने वाले विभिन्न प्रकार की समस्याओं से अवगत कराया गया।

अभिग्रहित गांव में स्वच्छता अभियान

अभिग्रहित गांव में सर्वेक्षण करते स्वयं सेविका

कुछ और झलकियाँ....

राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना

गुरु श्रीगोरक्षनाथ इकाई एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई

प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम विवरण – 2015–16

04 जुलाई	पौधारोपण एवं स्वामी विवेकानन्द स्मृति दिवस पर परिचर्चा
23 जुलाई	चन्द्रशेखर आजाद जयन्ती पर व्याख्यान
07 अगस्त	रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्यतिथि पर व्याख्यान
12 अगस्त	अमर शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस व्याख्यान
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
23 अगस्त	युवा और भारत का भविष्य : परिचर्चा (पंजीकरण स्वयं सेवक)
24 अगस्त	महिला सशक्तिकरण और वर्तमान परिदृश्य (पंजीकरण स्वयं सेविका)
29 अगस्त	मेजर ध्यानचंद जयन्ती पर क्रीड़ा प्रतियोगिता (पूर्व संध्या)
08 सितम्बर	विश्व साक्षरता दिवस पर अभिग्रहित ग्राम में जनजागरण कार्यक्रम
16 सितम्बर	विश्व ओजोन दिवस पर चित्रकला प्रदर्शनी
24 सितम्बर	रासेयो स्थापना दिवस पर कार्यशाला, हमारे महापुरुष एवं हमारा दायित्व
28 सितम्बर	सरदार भगत सिंह जयंती पर निबन्ध प्रतियोगिता
01 अक्टूबर	स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर व्याख्यान
02 अक्टूबर	गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर जयन्ती समारोह एवं रक्तदान कार्यक्रम
08 अक्टूबर	वायुसेना दिवस पर व्याख्यान
14 अक्टूबर	हमारे जीवन मूल्य–कार्यशाला–प्रथम वर्ष
18 अक्टूबर	अभिग्रहित ग्राम में प्रथम एक दिवसीय शिविर
19 अक्टूबर	हमारे जीवन मूल्य विषयक कार्यशाला – द्वितीय एवं तृतीय वर्ष
26 अक्टूबर से 01 नवम्बर	यातायात जागरुकता सप्ताह
12 नवम्बर	पं0 मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि पर व्याख्यान
19 नवम्बर	रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती पर भाषण प्रतियोगिता
22 नवम्बर	आपदा प्रबन्धन प्रशिक्षण कार्यशाला
01 दिसम्बर	विश्व एड्स दिवस पर व्याख्यान एवं जनजागरण रैली
03 दिसम्बर	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती पर व्याख्यान

04 दिसम्बर जनजागरण रैली (सामाजिक, शैक्षिक एवं पर्यावरणीय समस्याएं)

20 दिसम्बर तृतीय एक दिवसीय शिविर

12 से 26 जनवरी 2016 भारत–भारती पखवारा(स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से गणतंत्र दिवस समारोह)

12 जनवरी स्वामी विवेकानन्द जयन्ती समारोह

13 जनवरी वाद–विवाद प्रतियोगिता

14 जनवरी गोरखनाथ मन्दिर में एक दिवसीय शिविर

15 जनवरी महिला सशक्तिकरण पर भाषण प्रतियोगिता

16 जनवरी 'सामाजिक उत्तरदायित्व एवं युवा' विषय पर व्याख्यान

17 जनवरी वालीबाल प्रतियोगिता

18 जनवरी जल संचय और उपयोग विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता

19 जनवरी शिक्षा और रोजगार विषय पर कैरियर गाइडेन्स कार्यक्रम

20 जनवरी कबड्डी प्रतियोगिता

21 जनवरी स्वास्थ्य मेला

22 जनवरी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की पूर्व संध्या पर व्याख्यान

23 जनवरी स्वतंत्रता आन्दोलन और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस भाषण प्रतियोगिता

24 जनवरी तृतीय एक दिवसीय शिविर

25 जनवरी 'राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद' विषय पर व्याख्यान

26 जनवरी गणतंत्र दिवस समारोह

1–7 फरवरी सात दिवसीय विशेष शिविर

24 फरवरी चतुर्थ एक दिवसीय शिविर

08 मार्च अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्वैच्छिक श्रमदान, सत्र : 2015–16

स्वीकृति-पत्र

आई.डी. नं. (छात्रों के लिए) ....

नाम शिप्रा सिंह मोबाइल 9453607115

कक्षा/पद प्रवक्ता (बी० एड० विभाग)

दिनांक 29-12-2015

Shipra Singh
हस्ताक्षर

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्वैच्छिक श्रमदान, सत्र : 2015–16

स्वीकृति-पत्र

आई.डी. नं. (छात्रों के लिए) योगी बाबा गम्भीरनाथ नि० शु० सिलाई कढ़ाई प्र० केन्द्र०

नाम कमलावती प्रजापति मोबाइल 9956376080

कक्षा/पद सिलाई

दिनांक 28-10-15

हस्ताक्षर
कमलावती प्रजापति

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना – 2015–16

साक्षरता अभियान–अभिग्रहित गांव – छोटी रेतवहिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर

मुखिया का नाम – श्रीमुलई गुप्ता 5 (50)

क्र.	परिवार के सदस्यों का नाम	उम्र	शिक्षा का स्तर	विद्यालय : हां/नहीं	विद्यालय का नाम
1	दुर्गावती देवी	45	अशिक्षित		
2	मोहन	28	10	हाँ	महाराणा प्रताप
3	बच्चे बबिता गुप्ता	25	12	हाँ	e
4	तान्या	6	1	हाँ	A CC Singh Children
5	हिमांशु	5	L.K.G	हाँ	"
6	साधना	21	10	हाँ	महाराणा प्रताप
7	आराधना निशा, ज्योति	18-17-12	10-8-6	हाँ	"

टोली के सदस्यों का नाम : चन्द्रकला निषाद, गौरी निषाद

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना – 2015–16

साक्षरता अभियान–अभिग्रहित गांव – छोटी रेतवहिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर

मुखिया का नाम – रामनाथ (40) अशिक्षित

क्र.	परिवार के सदस्यों का नाम	उम्र	शिक्षा का स्तर	विद्यालय : हां/नहीं	विद्यालय का नाम
1	सीता	35	अशिक्षित		
2	दिलावती	20	5	हाँ	
3	सिलावती	18	5	हाँ	महराणा प्रताप जंगल धूसड़
4	संध्या	16	7	हाँ	महराणा प्रताप जंगल धूसड़
5	अंजु	10	4	हाँ	"
6	काजल	8	अशिक्षित		
7	आतिश	6	1	हाँ	श्री बिजेन्दर कु०

टोली के सदस्यों का नाम : चन्द्रकला निषाद, गौरी निषाद

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

स्वैच्छिक श्रमदान, सत्र : 2015-16

टोली प्रमुख- डॉ० शिव कुमार वर्नवाल स्थान- परिसर के बाहर सड़क दिनांक- 12/09/15

क्रमांक	नाम	कक्षा	विवरण
1	अमृत वर्मा	बी० ए० II	रा० से० यो० द्वितीय वर्ष
2	अजहरूद्दीन अली	बी० ए० II	" " "
3	अभिषेक कुमार चौधरी	बी० ए० II	" " "
4	ऋषभ कुमार शर्मा	बी० काम० II	" " "
5	मो० शाहरूख	बी० एस-सी० I	रा० से० यो० प्रथम वर्ष
6	मंजीत चौहान	बी० ए० I	" " "
7	नितिश कुमार	बी० ए० I	" " "
8	रितेश कुमार जायसवाल	बी० काम० II	" " "
9	राहुल गिरि	बी० एस-सी० I	" " "
10	रितेश मणि पाण्डेय	बी० काम० I	" " "
11			

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

(6)

स्वैच्छिक श्रमदान, सत्र : 2015-16

टोली प्रमुख- डॉ० महेन्द्र प्रताप सिंह स्थान- मुख्य लान (सामने) दिनांक- 12/09/15

क्रमांक	नाम	कक्षा	विवरण
1	गौतम यादव	बी० काम० II	रा० से० यो० द्वितीय वर्ष
2	चन्द्रेश कुमार	बी० ए० II	" " "
3	दीपक प्रजापति	बी० काम० II	" " "
4	कुँवर प्रताप	बी० काम० III	" " "
5	राहुल श्रीवास्तव	बी० काम० I	रा० से० यो० प्रथम वर्ष
6	रविप्रताप नागवंशी	बी० ए० I	" " "
7	रामानुज सिँह	बी० एस-सी० I	" " "
8	राघवेन्द्र कुमार यादव	बी० ए० I	" " "
9	राज कुमार चौहान	बी० ए० I	" " "
10	सत्येन्द्र शर्मा	बी० एस-सी० I	" " "
11			

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्वैच्छिक श्रमदान

सत्र : 2015-16

टोली प्रमुख का नाम डॉ रघुबीर नारायण सिंह स्थान परिसर से बाहर सड़क

क्रमांक	नाम	कक्षा	समय (कब से कब तक)	तिथि / हस्ताक्षर			
				05/09/15	12/09/15	19/09/15	07/11/15
1	यशवन्त कुमार	बी०काम० भाग-दो	12:10–1:05 Pm	Jaswant Kumar	Jaswant Kumar	Jaswant Kumar	Jaswant Kumar
2	अनुज कुमार श्रीवास्तव	बी०काम भाग-दो	"	AK Sriwastav	AK Sriwastav	AK Sriwastav	Absent
3	अनिकेत कुमार सिंह	बी०काम भाग-दो	"	AK Singh	AK Singh	AK Singh	AK Singh
4	अनुराग त्रिपाठी	बी०काम भाग-दो	"	Anurag Tripathi	Anurag Tripathi	Anurag Tripathi	Anurag Tripathi
5	दुर्गेश कुमार	बी०० भाग-एक	"	दुर्गेश कुमार	दुर्गेश कुमार	दुर्गेश कुमार	दुर्गेश कुमार
6	घनश्याम मद्देशिया	बी०काम भाग-एक	"	Ghanshyam Maddeshiya	Ghanshyam Maddeshiya	Ghanshyam Maddeshiya	Ghanshyam Maddeshiya
7	हिमांशु पाण्डेय	बी०काम० भाग-एक	"	हिमांशु पाण्डेय	हिमांशु पाण्डेय	हिमांशु पाण्डेय	Absent
8	ज्ञान प्रकाश सिंह	बी०० भाग-एक	"	ज्ञानप्रताप सिंह	ज्ञानप्रताप सिंह	ज्ञानप्रताप सिंह	ज्ञानप्रताप सिंह
9	जय प्रकाश शर्मा	बी०काम भाग-एक	"	Jaiprakash	Jaiprakash	Jaiprakash	Jaiprakash
10	मुमताज अहमद	बी०काम भाग-एक	"	Mumtaj Ahamad	Mumtaj Ahamad	Mumtaj Ahamad	Mumtaj Ahamad
11			"				Absent

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़- गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो. 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : ..... दिनांक : 01.02.2016

सात दिवसीय विशेष शिविर की दिनचर्या

(01 से 07 फरवरी, 2016)

05.30 प्रातः	–	जागरण
05.30 – 07.00	–	स्नान इत्यादि
07.00 – 08.00	–	योग एवं प्रार्थना सभा
08.00 – 08.45	–	नाश्ता
09.00 – 11.30	–	श्रमदान
12.30 – 01.30	–	भोजन
01.30 – 02.30	–	सांस्कृतिक प्रतियोगिता
02.30 – 03.30	–	बौद्धिक परिचर्चा
03.30 – 04.00	–	चाय
04.00 – 05.30	–	खेल एवं व्यायाम
06.00 – 08.00	–	अध्ययन
08.00 – 09.00	–	भोजन
09.00 – 10.00	–	रात्रि सभा
10.00	–	शयन

(डॉ. यशवन्त कुमार राव)
कार्यक्रम अधिकारी

(डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह)
क्रीड़ा अधीक्षक

(डॉ. अविनाश प्रताप सिंह)
वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़- गोरखपुर

स्थापित २००५ ई.

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो. 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक : .....

दिनांक : 01.02.2016

राष्ट्रीय सेवा योजना – सप्त दिवसीय विशेष शिविर

01 से 07 फरवरी, 2016

बौद्धिक सत्र – विशिष्ट व्याख्यान

डॉ. बलवान सिंह जी	02 फरवरी 2016	योग अध्याम और भौतिक जीवन
डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय जी	03 फरवरी 2016	पाठ्यक्रम रोजगार और स्वस्थ जीवन
डॉ. दिनेश सिंह जी	04 फरवरी 2016	प्रकृति और युवा
डॉ. राजकिशोर सिंह जी	05 फरवरी 2016	वर्तमान जीवन पद्धति और स्वस्थ
डॉ. राजशरण शाही जी	06 फरवरी 2016	राष्ट्र और युवा